National Science Day celebrated in CUH

Central University of Haryana

NAAC Accredited ‘A’ Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 28-02-2024**

'युवाओं को नवाचार से जोड़ती है विज्ञान प्रदर्शनी'

- 28 फरवरी को होगा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन
- स्कूली व विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रस्तुत कीं अपनी उपलब्धियां

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार से विशेष कार्यक्रमों की शुरुआत हो गई। विकसित भारत के लिए भारतीय तकनीक थीम पर आधारित इस विज्ञान प्रदर्शनी में हकेंवि के विभिन्न विभागों तथा स्थानीय स्कूलों की ओर से उल्लेखनीय कार्यों, शोध व नवाचार की प्रदर्शनी लगाई गई। इस अवसर पर नवाचार के अंतर्गत पोस्टर मेकिंग, वर्किंग माडल, बेस्ट आउट आफ वेस्ट, भाषण, चित्रकारी एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान से जोड़ना, उनकी प्रतिभा की पहचान करना और नवाचार के लिए प्रेरित करना है। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त तथा जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी संतोष चौहान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रदर्शनियों का अवलोकन करने के पश्चात कहा कि विश्वविद्यालय में इस तरह के आयोजन साल भर जारी रहते हैं और हमारी कोशिश है कि विद्यार्थी केवल अध्ययन कर डिग्री पाने तक ही समिति ना रहे, बल्कि वह पढ़ाई

विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन करते कुलपति व विशिष्ट अतिथि • जागरण

के दौरान नवाचार, व्यावहारिक ज्ञान व कौशल विकास के मोर्चे पर भी शिक्षित-प्रशिक्षित हों। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन सेंटर तथा इंटरप्रन्योर सेल के माध्यम से निरंतर प्रयासरत है। आयोजन में उपस्थित मुख्य अतिथि सुनील दत्त ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में विज्ञान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम स्कूली विद्यार्थियों की उपलब्धियों के प्रदर्शन के साथ-साथ उन्हें विश्वविद्यालय स्तर पर जारी विभिन्न प्रयासों को जानने का अवसर प्रदान करता है। अवश्य ही इसके माध्यम से विकसित भारत के निर्माण में भारतीय तकनीकी के योगदान के उद्देश्य की पूर्ति का मार्ग प्रशस्त होगा।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजन समिति के संयोजक प्रो. एके यादव व प्रो. हरीश कुमार ने बताया कि दो दिवसीय इस आयोजन के पहले दिन प्रतियोगिताओं का आयोजन मुख्य पांडाल स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी और मिनी आडिटोरियम में किया गया। आयोजन के क्रम में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा तथा विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए जाएंगे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Gurgaon Today   Date: 28-02-2024

युवाओं को विज्ञान व नवाचार से जोड़ती है विज्ञान प्रदर्शनी : प्रो. टंकेश्वर कुमार

सुरेंद्र चौधरी, नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार से विशेष कार्यक्रमों की शुरुआत हो गई। 'विकसित भारत के लिए भारतीय तकनीक' थीम पर आधारित इस विज्ञान प्रदर्शनी में 27 फरवरी को हकेवि के विभिन्न विभागों तथा स्थानीय स्कूलों की ओर से उल्लेखनीय कार्यों, शोध व नवाचार की प्रदर्शनी लगाई गई। इस अवसर पर नवाचार के अंतर्गत पोस्टर मेकिंग, वर्किंग मॉडल, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, भाषण, चित्रकारी एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति एवं आयोजन में मुख्य अतिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान से जोड़ना, उनकी प्रतिभा को पहचान करना और नवाचार के लिए प्रेरित करना है।

इस अवसर पर महेंद्रगढ़ के जिला शिक्षा अधिकारी श्री सुनील दत्त तथा जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी श्री संतोष चौहान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रदर्शनियों का अवलोकन करने के पश्चात कहा कि विश्वविद्यालय में इस तरह के आयोजन सालभर जारी रहते हैं और हमारी कोशिश है कि विद्यार्थी केवल अध्ययन कर डिग्री पाने तक ही समिति ना रहे, बल्कि वह पढ़ाई के दौरान नवाचार, व्यावहारिक ज्ञान व कौशल विकास के मोर्चे पर भी शिक्षित-प्रशिक्षित हो।कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन सेंटर तथा इंटरप्रन्योर सेल के माध्यम से निरंतर प्रयासरत है। आयोजन में उपस्थित मुख्य अतिथि श्री सुनील दत्त ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में विज्ञान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम स्कूली विद्यार्थियों की उपलब्धियों के प्रदर्शन के साथ-साथ उन्हें विश्वविद्यालय स्तर पर जारी विभिन्न प्रयासों को जानने का अवसर प्रदान करता है। यह अपने आप मे अनोखा प्रयास है और अवश्य ही इसके माध्यम से विकसित भारत के निर्माण में भारतीय तकनी के योगदान के उद्देश्य की पूर्ति का मार्ग प्रशस्त होगा।

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजन समिति के संयोजक प्रो. ए.के. यादव व प्रो. हरीश कुमार ने बताया कि दो दिवसीय इस आयोजन के पहले दिन आइडिया फॉर इनोवेशन पर केंद्रित विभागीय प्रस्तुतीकरण, पोस्टर प्रस्तुतीकरण, वर्किंग मॉडल, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, भाषण, चित्रकारी एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन मुख्य पंडाल, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी और मिनी ऑडिटोरियम में किया गया।

उन्होंने बताया कि आयोजन के क्रम में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा तथा विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम के संरक्षक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार हैं और आयोजन में विशेषज्ञ के रूप में भाभा एटोमिक रिसर्च सेंटर के प्रो. चेतन प्रकाश कौशिक मुख्य अतिथि और सीएसआईआर नेशनल फिजिकल लेबोरेट्री, नई दिल्ली के प्रो. अमित्व सेन गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navoday Times **Date: 28-02-2024**

'युवाओं को नवाचार से जोड़ती है विज्ञान प्रदर्शनी'

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में हकेवि में स्कूली व विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रस्तुत की अपनी उपलब्धियां

विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। साथ में विशिष्ट अतिथि सुनील दत्त।

महेंद्रगढ़, 27 फरवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विवि. महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार से विशेष कार्यक्रमों की शुरुआत हो गई। 'विकसित भारत के लिए भारतीय तकनीक' थीम पर आधारित इस विज्ञान प्रदर्शनी में 27 फरवरी को हकेवि के विभिन्न विभागों तथा स्थानीय स्कूलों की ओर से उल्लेखनीय कार्यों, शोध व नवाचार की प्रदर्शनी लगाई गई।

इस अवसर पर नवाचार के अंतर्गत पोस्टर मेकिंग, वर्किंग मॉडल, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, भाषण, चित्रकारी एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति एवं आयोजन में मुख्य अतिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान से जोड़ना, उनकी प्रतिभा को पहचान करना और नवाचार के लिए प्रेरित करना है। इस अवसर पर महेंद्रगढ़ के जिला शिक्षा अधिकारी श्री सुनील दत्त तथा जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी श्री संतोष चौहान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रदर्शनियों का अवलोकन करने के पश्चात कहा कि विश्वविद्यालय में इस तरह के आयोजन सालभर जारी रहते हैं और हमारी कोशिश है कि विद्यार्थी केवल अध्ययन कर डिग्री पाने तक ही समिति ना रहे बल्कि वह पढ़ाई के दौरान नवाचार, व्यावहारिक ज्ञान व कौशल विकास के मोर्चे पर भी शिक्षित-प्रशिक्षित हो। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन सेंटर तथा इंटरप्रन्योर सेल के माध्यम से निरंतर प्रयासरत है। आयोजन में उपस्थित मुख्य अतिथि सुनील दत्त ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में विज्ञान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम स्कूली विद्यार्थियों की उपलब्धियों के प्रदर्शन के साथ-साथ उन्हें विश्वविद्यालय स्तर पर जारी विभिन्न प्रयासों को जानने का अवसर प्रदान करता है। यह अपने आप मे अनोखा प्रयास है और अवश्य ही इसके माध्यम से विकसित भारत के निर्माण में भारतीय तकनी के योगदान के उद्देश्य की पूर्ति का मार्ग प्रशस्त होगा।

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजन समिति के संयोजक प्रो. ए.के. यादव व प्रो. हरीश कुमार ने बताया कि दो दिवसीय इस आयोजन के पहले दिन आइडिया फॉर इनोवेशन पर केंद्रित विभागीय प्रस्तुतीकरण, पोस्टर प्रस्तुतीकरण, वर्किंग मॉडल, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, भाषण, चित्रकारी एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन मुख्य पंडाल, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी और मिनी ऑडिटोरियम में किया गया। उन्होंने बताया कि आयोजन के क्रम में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा तथा विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए जाएंगे।

नवोदय टाइम्स Wed, 28 February 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/74644747

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: **Bhedi Nazar** Date: 28-02-2024

युवाओं को विज्ञान व नवाचार से जोड़ती है विज्ञान प्रदर्शनी- प्रो. टंकेश्वर कुमार

- राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में हकेवि में स्कूली व विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रस्तुत कीं अपनी उपलब्धियाँ
- 28 फरवरी को होगा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

भेदी नजर अशोक कुमार कौशिक नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार से विशेष कार्यक्रमों की शुरुआत हो गई। 'विकसित भारत के लिए भारतीय तकनीक' थीम पर आधारित इस विज्ञान प्रदर्शनी में 27 फरवरी को हकेवि के विभिन्न विभागों तथा स्थानीय स्कूलों की ओर से उल्लेखनीय कार्यों, शोध व नवाचार की प्रदर्शनी लगाई गई। इस अवसर पर नवाचार के अंतर्गत पोस्टर मेकिंग, वर्किंग मॉडल, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, भाषण, चित्रकारी एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति एवं आयोजन में मुख्य अतिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान से जोड़ना, उनकी प्रतिभा को पहचान करना और नवाचार के लिए प्रेरित करना है। इस अवसर पर महेंद्रगढ़ के जिला शिक्षा अधिकारी श्री सुनील दत्त तथा जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी श्री संतोष चौहान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रदर्शनियों का अवलोकन करने के पश्चात कहा कि विश्वविद्यालय में इस तरह के आयोजन सालभर जारी रहते हैं और हमारी कोशिश है कि विद्यार्थी केवल अध्ययन कर डिग्री पाने तक ही समिति ना रहे बल्कि वह पढ़ाई के दौरान नवाचार, व्यावहारिक ज्ञान व कौशल विकास के मोर्चे पर भी शिक्षित-प्रशिक्षित हो। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन सेंटर तथा इंटरप्रन्योर सेल के माध्यम से निरंतर प्रयासरत है। आयोजन में उपस्थित मुख्य अतिथि श्री सुनील दत्त ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में विज्ञान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम स्कूली विद्यार्थियों की उपलब्धियों के प्रदर्शन के साथ-साथ उन्हें विश्वविद्यालय स्तर पर जारी विभिन्न प्रयासों को जानने का अवसर प्रदान करता है। यह अपने आप मे अनोखा प्रयास है और अवश्य ही इसके माध्यम से विकसित भारत के निर्माण में भारतीय तकनी के योगदान के उद्देश्य की पूर्ति का मार्ग प्रशस्त होगा।

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आयोजन समिति के संयोजक प्रो. ए.के. यादव व प्रो. हरीश कुमार ने बताया कि दो दिवसीय इस आयोजन के पहले दिन आइडिया फॉर इनोवेशन पर केंद्रित विभागीय प्रस्तुतीकरण, पोस्टर प्रस्तुतीकरण, वर्किंग मॉडल, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, भाषण, चित्रकारी एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन मुख्य पंडाल, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी और मिनी ऑडिटोरियम में किया गया। उन्होंने बताया कि आयोजन के क्रम में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा तथा विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम के संरक्षक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार हैं और आयोजन में विशेषज्ञ के रूप में भाभा एटोमिक रिसर्च सेंटर के प्रो. चेतन प्रकाश कौशिक मुख्य अतिथि और सीएसआईआर नेशनल फिजिकल लेबोरेट्री, नई दिल्ली के प्रो. अमित्व सेन गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 28-02-2024**

'युवाओं को विज्ञान व नवाचार से जोड़ती है विज्ञान प्रदर्शनी'

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार से विशेष कार्यक्रमों की शुरुआत हुई। विकसित भारत के लिए भारतीय तकनीक थीम पर आधारित इस विज्ञान प्रदर्शनी में 27 फरवरी को हकेंवि के विभिन्न विभागों व स्थानीय स्कूलों की ओर से उल्लेखनीय कार्यों, शोध व नवाचार की प्रदर्शनी लगाई गई।

नवाचार के अंतर्गत पोस्टर मेकिंग, वर्किंग मॉडल, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, भाषण, चित्रकारी एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति एवं आयोजन में मुख्य अतिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान से जोड़ना उनकी प्रतिभा को पहचान करना और नवाचार के लिए प्रेरित करना है।

महेंद्रगढ़ के जिला शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त व जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी संतोष चौहान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने

हकेंवि में विद्यार्थियों ने प्रस्तुत की अपनी उपलब्धियां

प्रदर्शनियों का अवलोकन करने के पश्चात कहा कि विश्वविद्यालय में इस तरह के आयोजन सालभर जारी रहते हैं और हमारी कोशिश है कि विद्यार्थी केवल अध्ययन कर डिग्री पाने तक ही समिति ना रहे बल्कि वह पढ़ाई के दौरान नवाचार, व्यावहारिक ज्ञान व कौशल विकास के मोर्चे पर भी शिक्षित-प्रशिक्षित हो।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन सेंटर व इंटरप्रन्योर सेल के माध्यम से निरंतर प्रयासरत है। आयोजन में उपस्थित मुख्य अतिथि सुनील दत्त ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में विज्ञान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम स्कूली विद्यार्थियों की उपलब्धियों के प्रदर्शन के साथ-साथ उन्हें विश्वविद्यालय स्तर पर जारी विभिन्न प्रयासों को जानने का अवसर प्रदान करता है। यह अपने आप में अनोखा प्रयास है और अवश्य ही इसके माध्यम से विकसित भारत के निर्माण में भारतीय तकनीक के योगदान के उद्देश्य की पूर्ति का मार्ग प्रशस्त होगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 28-02-2024**

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विद्यार्थियों ने प्रस्तुत की अपनी उपलब्धियां

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार से विशेष कार्यक्रमों की शुरुआत हो गई। 'विकसित भारत के लिए भारतीय तकनीक' थीम पर आधारित विज्ञान प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों व स्थानीय स्कूलों ने प्रदर्शनी लगाई। नवाचार के अंतर्गत पोस्टर मेकिंग, वर्किंग मॉडल, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, भाषण, चित्रकारी एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान से जोड़ना, उनकी प्रतिभा को पहचान करना और नवाचार के लिए प्रेरित करना है। इस अवसर पर महेंद्रगढ़ के जिला शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त तथा जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी संतोष चौहान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन सेंटर तथा इंटरप्रन्योर सेल के माध्यम से निरंतर प्रयासरत है। सुनील दत्त ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में विज्ञान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम स्कूली विद्यार्थियों की उपलब्धियों के प्रदर्शन के साथ-साथ उन्हें विश्वविद्यालय स्तर पर जारी विभिन्न प्रयासों को जानने का अवसर प्रदान करता है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited ‘A’ Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 29-02-2024**

‘भारतीय तकनीक के विकास से ही विकसित होगा भारत’

भाभा एटोमिक रिसर्च सेंटर के प्रो. चेतन प्रकाश और सीएसआइआर के प्रो. अमित्व सेन गुप्ता ने दिया व्याख्यान

- राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर दो विशेषज्ञ व्याख्यानों का आयोजन
- वंडर आफ इनोवेशन थीम के अंतर्गत 220 छात्रों ने कराया पंजीकरण

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में डा. सीवी रमन की याद में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर बुधवार को दो विशेषज्ञ व्याख्यानों का आयोजन किया गया। विकसित भारत के लिए भारतीय तकनीक थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भाभा एटोमिक रिसर्च सेंटर के प्रो. चेतन प्रकाश कौशिक और सीएसआइआर नेशनल फिजिकल लेबोरेट्री, नई दिल्ली के प्रो. अमित्व सेन गुप्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रही।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत आज का दिन नोबल पुरस्कार पाने वाले महान वैज्ञानिक डा. सीवी रमन के योगदान को याद करते हुए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाता है। कुलपति ने विकसित भारत के निर्माण में भारतीय ज्ञान-विज्ञान के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि अब केवल जागरुकता भर से बात नहीं बनेगी। अब समय है विज्ञान के उपयोग और उसे तकनीक में परिवर्तित करने का।

आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. चेतन प्रकाश कौशिक ने सतत विकास में न्यूक्लियर साइंस और तकनीक के स्तर पर उपलब्ध संभावनाओं को चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं को अनुसंधान की ओर बढ़ाने विकसित भारत के निर्माण में योगदान के लिए प्रेरित किया। प्रो. कौशिक ने राष्ट्र की प्रगति और समृद्धि के लिए परमाणु ऊर्जा का उपयोग महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में परमाणु ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और परमाणु कचरे के प्रबंधन के लिए अपनाई जा रही विभिन्न तकनीकों पर चर्चा की। दूसरे विशेषज्ञ वक्ता प्रो. अमित्व सेन गुप्ता ने 'एक्सप्लोरिंग अंटार्कटिका ए जर्नी टू द व्हाइट कोंटिनेंट' विषय पर विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने अंटार्कटिका की विशेषताओं और इतिहास पर चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने अंटार्कटिका के पहले भारतीय वैज्ञानिक अभियान दल के सदस्य के रूप में दौरा किया था। उन्होंने बताया कि उसके बाद जाने वाले एक अभियान दल का उन्होंने नेतृत्व भी किया था। प्रो. गुप्ता ने महाद्वीप में पेंगुइन और अंटार्कटिक क्रिल्स सहित जीवित प्राणियों के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अंटार्कटिका का अध्ययन महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मौसम विज्ञान, भूविज्ञान, हिमनद विज्ञान, वायु विज्ञान, खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी, मानव और समुद्री जीव विज्ञान आदि सहित विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

संयोजक प्रो. एके यादव ने स्वागत करते हुए बताया कि इस आयोजन में वंडर आफ इनोवेशन के अंतर्गत 220 पंजीकरण, क्विज प्रतियोगिता के लिए 100, भाषण प्रतियोगिता के लिए 150 और पेंटिंग प्रतियोगिता के लिए 80 पंजीकरण हुए। उन्होंने बताया कि आयोजन में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व स्थानीय स्कूलों के विद्यार्थियों व शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्पीच, पोस्टर, पेंटिंग, क्विज प्रतियोगिताओं सहित वंडर आफ इनोवेशन प्रतियोगिताओं के अंतर्गत 94 विजेताओं को पुरस्कृत किया।

चेतन प्रकाश कौशिक का स्वागत करते कुलपति • जागरण

हकेंवि में स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आनलाइन पंजीकरण शुरु

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में उपलब्ध स्नातक पाठ्यक्रमों में विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयूइटी पीजी) के अंतर्गत आनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया 27 फरवरी से शुरु हो गई है। विश्वविद्यालय में स्नातक कार्यक्रमों में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी इस प्रवेश परीक्षा के लिए आगामी 26 मार्च तक आनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नए सत्र में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप युवाओं के अध्ययन-अध्यापन, अनुसंधान, नवाचार, कौशल विकास व रोजगार सृजन की दिशा में प्रयासरत हैं।

यूजीसी द्वारा एनटीए के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। प्रवेश परीक्षा के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया 26 मार्च तक चलेगी।

हकेंवि का वार्षिकोत्सव आज से

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव स्पंदन-2024 का आयोजन 29 फरवरी से होने जा रहा है। आयोजन की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के द्वारा की जाएगी जबकि समापन सत्र में हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री ओमप्रकाश यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। आयोजन के पहले दिन ओमबड्स पर्सन हकेंवि डा. ऊषा अरोड़ा विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत करेंगी। विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि कला संस्कृति का मेल विश्वविद्यालय के वार्षिकोत्सव के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से देखने को मिलेगा।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि वार्षिकोत्सव के अवसर पर आयोजित हो रहे दो दिवसीय अंतर-विश्वविद्यालय सांस्कृतिक कार्यक्रम स्पंदन 2024 में म्यूजिक, डांस, फाइन आर्ट, कविता पाठ, वाद-विवाद, साहित्यिक कार्यक्रम, थियेटर के तहत वोकल म्यूजिक, ग्रुप डांस, लोकनृत्य, स्किट, माइम, पेंटिंग, कोलाज मेकिंग, रंगोली, महेंदी, फोटोग्राफी, पोस्टर मेकिंग आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रो. शर्मा ने बताया कि आयोजन में राम्केश जीवनपुरिया व हरिओम कौशिक भी अपनी प्रस्तुतियां देंगे। डा. आरती यादव ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में हकेंवि सहित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, बीआर आंबेडकर विश्वविद्यालय, गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम विश्वविद्यालय, चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय तथा निफ्टेम आदि शिक्षण संस्थानों की टीमें हिस्सा ले रही हैं।

हकेंवि में विशेपज्ञ व्याख्यान का हुआ आयोजन

स्मृति चिह्न भेट करते हुए • जागरण

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। आयोजन में गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के प्रो. वीके सिंह ने वाणिज्य और प्रबंधन विमर्श के अनुसंधान में मान्यता और विवेक पर एक व्याख्यान दिया।

विशेषज्ञ वक्ता प्रो. वीके सिंह ने अनुसंधान निष्कर्षों की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए कठोर पद्धतियों के महत्व पर जोर दिया। विवेक के मुद्दे पर चर्चा की व उन पक्षों पर प्रकाश डाला जो परिणामों को विकृत कर सकते हैं,विश्लेषण में बाधा उत्पन्न कर सकते हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: **Dainik Bhaskar** Date: 29-02-2024

हकेंवि में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान व पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

भारतीय तकनीक के विकास से ही विकसित होगा भारत : वीसी

- **प्रोफेसर चेतन प्रकाश कौशिक और प्रो. अमित्व सेन गुप्ता रहे उपस्थित**

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हकेंवि में डॉ. सी.वी. रमन की याद में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर बुधवार को दो विशेषज्ञ व्याख्यानों का आयोजन किया गया। 'विकसित भारत के लिए भारतीय तकनीक' थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भाभा एटोमिक रिसर्च सेंटर के प्रो. चेतन प्रकाश कौशिक और सीएसआईआर नेशनल फिजिकल लेबोरेट्री, नई दिल्ली के प्रो. अमित्व सेन गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं।

प्रो. अमित्व सेन गुप्ता का स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत आज का दिन नोबल पुरस्कार पाने वाले महान वैज्ञानिक डॉ. सी.वी रमन के योगदान को याद करते हुए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाता है। कुलपति ने आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञों का स्वागत व आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके संबोधनों से प्रतिभागी लाभांवित होंगे।

इस अवसर पर प्रो. नीलम सांगवान, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. ए.के. यादव, प्रो. विनोद कुमार, प्रो. राजेश कुमार गुप्ता, प्रो. विकास बेनीवाल, प्रो. कांति प्रकाश, प्रो. सुरेंद्र सिंह सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे।

विशेषज्ञ प्रवक्ता प्रो. गुप्ता ने एक्सप्लोरिंग अंटार्कटिका ए जर्नी टू द व्हाइट कोंटिनेंट विषय पर विस्तार से रखी बात

विकसित भारत के निर्माण में भारतीय ज्ञान-विज्ञान के योगदान का उल्लेख करते हुए कुलपति ने कहा कि अब केवल जागरुकता भर से बात नहीं बनेगी। विशेषज्ञ वक्ता प्रो. चेतन प्रकाश कौशिक ने सतत विकास में न्यूक्लियर साइंस और तकनीक के स्तर पर उपलब्ध संभावनाओं को चुनौतियों पर प्रकाश डाला। विशेषज्ञ वक्ता प्रो. अमित्व सेन गुप्ता ने एक्सप्लोरिंग अंटार्कटिका: ए जर्नी टू द व्हाइट कोंटिनेंट विषय पर विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि अंटार्कटिका का अध्ययन महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मौसम विज्ञान, भूविज्ञान, हिमनद विज्ञान, वायु विज्ञान, खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी, मानव और समुद्री जीव विज्ञान आदि सहित विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

वंडर ऑफ इनोवेशन के अंतर्गत 220, क्विज प्रतियोगिता के लिए 100 और भाषण के लिए हुए 150 पंजीकरण

कार्यक्रम के संयोजक प्रो. ए. के. यादव ने स्वागत करते हुए बताया कि इस आयोजन में वंडर ऑफ इनोवेशन के अंतर्गत 220 पंजीकरण, क्विज प्रतियोगिता के लिए 100, भाषण प्रतियोगिता के लिए 150 और पेंटिंग प्रतियोगिता के लिए 80 पंजीकरण हुए। उन्होंने बताया कि आयोजन में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व स्थानीय स्कूलों के विद्यार्थियों व शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रो. हरीश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Chetna **Date: 29-02-2024**

भारतीय तकनीक के विकास से ही विकसित होगा भारत : प्रो. टंकेश्वर कुमार

हकेवि में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान व पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

महेंद्रगढ, चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में डॉ. सी.वी. रमन की याद में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर बुधवार को दो विशेषज्ञ व्याख्यानों का आयोजन किया गया। 'विकसित भारत के लिए भारतीय तकनीक' थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भाभा एटोमिक रिसर्च सेंटर के प्रो. चेतन प्रकाश कौशिक और सीएसआईआर नेशनल फिजिकल लेबोरेट्री, नई दिल्ली के प्रो. अमित्व सेन गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत आज का दिन नोबल पुरस्कार पाने वाले महान वैज्ञानिक डॉ. सी.वी रमन के योगदान को याद करते हुए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाता है। कुलपति ने आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञों का स्वागत व आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके संबोधनों से प्रतिभागी लाभांवित होंगे। विकसित भारत के निर्माण में भारतीय ज्ञान-विज्ञान के योगदान का उल्लेख करते हुए कुलपति ने कहा कि अब केवल जागरुकता भर से बात नहीं बनेगी। अब समय है विज्ञान के उपयोग और उसे तकनीक में परिवर्तित करने का। छोटी-छोटी खोज के माध्यम से बड़ें लक्ष्य की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। भारत हमेशा से ही ज्ञान के मोर्चे पर समृद्ध रहा है। बस आवश्यकता है अपने ज्ञान को पहचानने और उसे उपयोग में लाने की।

आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. चेतन प्रकाश कौशिक ने सतत विकास में न्यूक्लियर साइंस और तकनीक के स्तर पर उपलब्ध संभावनाओं को चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने अंतःविषय अनुसंधान की ओर बढ़ाने और युवाओं को विकसित भारत के निर्माण में योगदान के लिए प्रेरित किया। प्रो. कौशिक ने राष्ट्र की प्रगति और समृद्धि के लिए परमाणु ऊर्जा का उपयोग महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में परमाणु ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और परमाणु कचरे के प्रबंधन के लिए अपनाई जा रही विभिन्न तकनीकों पर चर्चा की। दूसरे विशेषज्ञ वक्ता प्रो. अमित्व सेन गुप्ता ने एक्सप्लोरिंग अंटार्कटिकाः ए जर्नी टू द व्हाइट कोंटिनेंट विषय पर विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने अंटार्कटिका की विशेषताओं और इतिहास पर चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने अंटार्कटिका के पहले भारतीय वैज्ञानिक अभियान दल के सदस्य के रूप में दौरा किया था। उन्होंने बताया कि उसके बाद जाने वाले एक अभियान दल का उन्होंने नेतृत्व भी किया था। प्रो. गुप्ता ने महाद्वीप में पेंगुइन और अंटार्कटिक क्रिल्स सहित जीवित प्राणियों के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अंटार्कटिका का अध्ययन महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मौसम विज्ञान, भूविज्ञान, हिमनद विज्ञान, वायु विज्ञान, खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी, मानव और समुद्री जीव विज्ञान आदि सहित विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navoday Times **Date: 29-02-2024**

'तकनीक के विकास से ही विकसित होगा भारत'

महेंद्रगढ़, 28 फरवरी (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में डॉ. सी.वी. रमन की याद में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर बुधवार को दो विशेषज्ञ व्याख्यानों का आयोजन किया गया। 'विकसित भारत के लिए भारतीय तकनीक' थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भाभा एटोमिक रिसर्च सेंटर के प्रो. चेतन प्रकाश कौशिक और सीएसआईआर नेशनल फिजिकल लेबोरेट्री, नई दिल्ली के प्रो. अमित्व सेन गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत आज का दिन नोबल पुरस्कार पाने वाले महान वैज्ञानिक डॉ. सी.वी रमन के योगदान को याद करते हुए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाता है। कुलपति ने आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञों का स्वागत व आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही उनके संबोधनों से प्रतिभागी लाभांवित होंगे। विकसित भारत के निर्माण में भारतीय ज्ञान-विज्ञान के योगदान का उल्लेख करते हुए कुलपति ने कहा कि अब केवल जागरुकता भर से बात नहीं बनेगी। अब समय है विज्ञान के उपयोग और उसे तकनीक में परिवर्तित करने का। छोटी-छोटी खोज के माध्यम से बड़ें लक्ष्य की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। भारत हमेशा से ही ज्ञान के मोर्चे पर समृद्ध रहा है। बस आवश्यकता है अपने ज्ञान को पहचानने और उसे उपयोग में लाने की।

प्रो. चेतन प्रकाश कौशिक का स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

भाभा एटोमिक रिसर्च सेंटर के प्रो. चेतन प्रकाश कौशिक और सीएसआईआर नेशनल फिजिकल लेबोरेट्री, नई दिल्ली के प्रो. अमित्व सेन गुप्ता रहे उपस्थित

आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. चेतन प्रकाश कौशिक ने सतत विकास में न्यूक्लियर साइंस और तकनीक के स्तर पर उपलब्ध संभावनाओं को चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने अंत:विषय अनुसंधान की ओर बढ़ाने और युवाओं को विकसित भारत के निर्माण में योगदान के लिए प्रेरित किया। प्रो. कौशिक ने राष्ट्र की प्रगति और समृद्धि के लिए परमाणु ऊर्जा का उपयोग महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में परमाणु ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और परमाणु कचरे के प्रबंधन के लिए अपनाई जा रही विभिन्न तकनीकों पर चर्चा की। दूसरे विशेषज्ञ वक्ता प्रो. अमित्व सेन गुप्ता ने एक्सप्लोरिंग अंटार्कटिका: ए जर्नी टू द व्हाइट कॉंटिनेंट विषय पर विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने अंटार्कटिका की विशेषताओं और इतिहास पर चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने अंटार्कटिका के पहले भारतीय वैज्ञानिक अभियान दल के सदस्य के रूप में दौरा किया था। उन्होंने बताया कि उसके बाद जाने वाले एक अभियान दल का उन्होंने नेतृत्व भी किया था। प्रो. गुप्ता ने महाद्वीप में पेंगुइन और अंटार्कटिक क्रिल्स सहित जीवित प्राणियों के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अंटार्कटिका का अध्ययन महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मौसम विज्ञान, भूविज्ञान, हिमनद विज्ञान, वायु विज्ञान, खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी, मानव और समुद्री जीव विज्ञान आदि सहित विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इससे पूर्व में विज्ञान दिवस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. ए.के. यादव ने स्वागत करते हुए बताया कि इस आयोजन में वंडर ऑफ इनोवेशन के अंतर्गत 220 पंजीकरण, क्विज प्रतियोगिता के लिए 100, भाषण प्रतियोगिता के लिए 150 और पेंटिंग प्रतियोगिता के लिए 80 पंजीकरण हुए। उन्होंने बताया कि आयोजन में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व स्थानीय स्कूलों के विद्यार्थियों व शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्पीच, पोस्टर, पेंटिंग, क्विज प्रतियोगिताओं सहित वंडर ऑफ इनोवेशन, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट और वर्किंग मॉडल प्रतियोगिताओं के अंतर्गत स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालय 94 विजेताओं को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम के अंत में प्रो. हरीश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. नीलम सांगवान, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, प्रो. ए.के. यादव, प्रो. विनोद कुमार, प्रो. राजेश कुमार गुप्ता, प्रो. विकास बेनीवाल, प्रो. कांति प्रकाश, प्रो. सुरेंद्र सिंह सहित भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे।

हकेवि में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान व पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

नवोदय टाइम्स Thu, 29 February 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/74651404